स्पेन-अर्जेंटीना के बीच आज महामुकाबला

न्यूयॉर्क, 18 जुलाई रविवार को न्यूयॉर्क-न्यू जर्सी स्टेडियम में होने वाले वर्ल्ड कप फ़ाइनल में दुनिया की टॉप दो टीमें और खेल के दो अलग-अलग अंदाज़ आमने-सामने होंगे. फीफा रैंकिंग में दुनिया की नंबर 1 टीम अर्जेंटीना, फ़ुटबॉल की सबसे प्रतिष्ठित ट्रॉफ़ी को डिफेंड करने वाली (यानी लगातार दूसरी बार जीतने वाली) तीसरी टीम बनने की कोशिश में है. इससे पहले इटली (1938) और ब्राज़ील (1962) ने ऐसा किया था. दूसरे नंबर पर मौजूद स्पेन अपने पहले टाइटल के 16 साल बाद दूसरा टाइटल जीतने की कोशिश कर रहा है.

आठ बार बैलन डी'ओर जीतने वाले लियोनेल मेसी के लिए यह तीसरा वर्ल्ड कप फ़ाइनल होगा. इसके साथ ही वे फ़ाइनल में सबसे ज़्यादा बार खेलने के ब्राज़ील के काफ़ू के रिकॉर्ड की बराबरी कर लेंगे. पेले ने तीन टाइटल जीते थे लेकिन वे सिर्फ़ दो फ़ाइनल खेले थे; 1962 में चोट के कारण वे बाहर हो गए थे. अगर अर्जेंटीना के 39 वर्षीय कप्तान गोल करते हैं, तो वे उन पांच खिलाड़ियों की लिस्ट में शामिल हो जाएंगे जिन्होंने दो अलग-अलग वर्ल्ड कप फ़ाइनल में गोल किए हैं. इस लिस्ट में किलियन एम्बाप्पे, ज़िनेदिन जिदान और पेले जैसे खिलाड़ी शामिल हैं.

उनके सामने 19 वर्षीय लैमिन यमल होंगे, जो बार्सिलोना के फ़ॉरवर्ड हैं और जिन्हें कई लोग मेसी का उत्तराधिकारी मानते हैं. ये दोनों कभी फ़ुटबॉल पिच पर एक-दूसरे के खिलाफ़ नहीं खेले हैं. 2007 में एक चैरिटी इवेंट के दौरान ली गई मेसी और यमल (जब वे बच्चे थे) की एक तस्वीर टूर्नामेंट की सबसे ज़्यादा शेयर की जाने वाली तस्वीरों में से एक बन गई है.स्पेन ने सात मैचों में सिर्फ़ एक गोल खाया है, जो किसी भी पिछले वर्ल्ड कप विजेता के पूरे टूर्नामेंट के प्रदर्शन से बेहतर है. हेड कोच लुइस डे ला फुएंते ने धैर्यपूर्वक बॉल कंट्रोल करने वाली टीम बनाई है, जिसका टूर्नामेंट के मैचों में औसतन 63.7% पज़ेशन (बॉल पर कब्ज़ा) रहा है. इस दबदबे को मिडफील्डर रोड्री की अगुवाई में आक्रामक प्रेसिंग और हाई डिफेंसिव लाइन का साथ मिला है, जिसने विरोधियों को लगातार परेशान किया है.

अर्जेंटीना का फ़ाइनल तक का सफ़र मुश्किल भरा रहा है. उन्होंने केप वर्डे, मिस्त्र और स्विट्ज़रलैंड के खिलाफ़ मुश्किलों का सामना किया और फिर सेमीफ़ाइनल में इंग्लैंड को हराया. इसके 19 में से 12 गोल 75वें मिनट के बाद हुए हैं, जो यह दिखाता है कि यह टीम पूरी तरह से बेहतर होने के बजाय हिम्मत और कभी हार न मानने वाले जज़्बे के लिए जानी जाती है.इन सबके बीच मेसी अहम भूमिका निभाते हैं; उन्होंने खुद उन 19 गोलों में से 12 में हिस्सा लिया है - आठ गोल किए हैं और चार में असिस्ट किया है.

भरोसा है कि हम ट्रॉफी हासिल कर सकते हैं : रोड्री

न्यूयॉर्क. स्पेन फुटबॉल टीम के कप्तान रोड्रिगो हर्नांडेज (रोड्री) ने कहा कि वर्षो की मेहनत के बाद हम दूसरी बार विश्वकप फाइनल खेलने के मुकाम पर पहुंच है. हमारा लक्ष्य ट्रॉफी हासिल करना है और मुझे भरोसा है कि हम इसे हासिल कर सकते है. रोड्री ने न्यू जर्सी के ईस्ट रदरफोर्ड स्थित मेटलाइफ स्टेडियम में रविवार को होने वाले फाइनल के लिए साथी खिलाड़ियों को उत्साहितवर्द्ध करते हुए यह बात कही. उन्होंने कहा कि वे हारने के डर की बजाय जीतने के लिए उत्सुक हो. रोड्री ने शुक्रवार को कहा, 'हम धीरे-धीरे आगे बढ़ रहे हैं. हमें वही काम करते रहना होगा जो हम कर रहे हैं क्योंकि यह पिछले पांच सालों से एक प्रक्रिया रही है.

मेसी ने यमाल के साथ 'क्रेजी' फोटो को किया याद

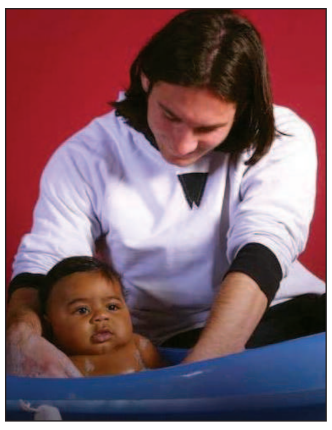

न्यूयॉर्क. लगभग दो दशक पहले, लियोनेल मेसी ने बार्सिलोना में एक चैरिटी कैलेंडर फोटोशूट के दौरान पांच महीने के बच्चे को नहलाने में मदद की थी. रविवार को, वही बच्चा वर्ल्ड कप फ़ाइनल में उनके सामने होगा. अर्जेंटीना के कप्तान मेसी ने शुक्रवार को स्पेन के फॉरवर्ड लैमिन यमाल के साथ अपनी पहली मुलाकात को याद किया, जो फुटबॉल पिच पर उनके आमने-सामने होने से पहले की एक अनोखी घटना थी. उन्होंने 2007 की उस वायरल फोटो को भी याद किया. मेसी ने न्यूयॉर्क में पत्रकारों से कहा, 'सच कहूं तो, हमारी वह फोटो बहुत अजीब और दिलचस्प है, क्योंकि जिंदगी ऐसी ही होती है, है ना? उस फोटो में मैं उसके साथ तब था जब वह बच्चा था, और अब हम दोनों वर्ल्ड कप फ़ाइनल खेल रहे हैं.' जब वह फोटो ली गई थी, तब 39 वर्षीय मेसी 20 साल के थे और बार्सिलोना में अपना करियर शुरू ही कर रहे थे. तब से, 19 वर्षीय यमाल क्लब के सबसे होनहार युवा सितारों में से एक बनकर उभरे हैं. मेसी ने कहा, 'लैमिन एक बहुत बड़ा टैलेंट है. मैं उसे काफी फॉलो करता रहा हूं क्योंकि वह उस क्लब के लिए खेलता है जिसे मैं बहुत पसंद करता हूं. मैं हमेशा उसके लिए शुभकामनाएं देता हूं और हमेशा उसके लिए अच्छा ही चाहता हूं.

वर्ल्ड कप फाइनल के लिए यमाल फिट : डेला फुएंटे

न्यूयॉर्क, 18 जुलाई. स्पेन के फ़ॉरवर्ड लैमिन यमाल फ़िटनेस से जुड़ी चिंताओं से उबर चुके हैं और रविवार को अर्जेंटीना के ख़िलाफ़ होने वाले वर्ल्ड कप फ़ाइनल के लिए उपलब्ध रहेंगे. हेड कोच लुइस डे ला फ़ुएंटे ने शुक्रवार को यह जानकारी दी. 19 साल के यमाल को सेमीफ़ाइनल में फ्रांस पर स्पेन की 2-0 से जीत के बाद लंगड़ाते हुए देखा गया था और वह गुरुवार को अपनी टीम के ट्रेनिंग सेशन में शामिल नहीं हो पाए थे. रविवार के फ़ाइनल से पहले एक प्रेस कॉन्फ़्रेंस में डे ला फ़ुएंटे ने कहा, 'उन्हें ज़ोरदार चोट लगी थी, जो काफ़ी दर्दनाक थी. एहतियात के तौर पर हमने उन्हें थोड़ा आराम देने का फ़ैसला किया. आज ट्रेनिंग में वह ठीक थे. उन्होंने अपने साथियों के साथ हिस्सा लिया. वह ठीक हैं और पूरी तरह फ़िट हैं.' डे ला फ़ुएंटे ने कहा कि शनिवार का फ़ाइनल ट्रेनिंग सेशन, न्यूयॉर्क-न्यू जर्सी स्टेडियम में रविवार को होने वाले मैच से पहले किसी भी तरह की आख़िरी-वक्त की समस्या का पता लगाने का आख़िरी मौक़ा होगा. उन्होंने कहा, 'यह सबसे अहम समय है. अगर कोई समस्या आती है, तो ठीक होने का समय नहीं मिलेगा.' यह मैच 2010 में टूर्नामेंट जीतने के बाद स्पेन का पहला वर्ल्ड कप फ़ाइनल होगा. अर्जेंटीना लगातार दूसरा और कुल मिलाकर चौथा ख़िताब जीतने की कोशिश में है; इससे पहले उसने 1978, 1986 और 2022 में जीत हासिल की थी. डे ला फ़ुएंटे, जिनकी टीम बिना कोई मैच हारे और सिर्फ़ एक गोल खाकर फ़ाइनल में पहुँची है, ने कहा कि दोनों टीमें फ़ाइनल में पहुँचने की हक़दार हैं और उनके खेलने के तरीक़े में समानताएँ हैं. उन्होंने कहा, 'रविवार को हम एक शानदार मुक़ाबला देखेंगे. मेरी नज़र में, दो सुपर टीमें हैं जो कई मामलों में - जैसे रवैये और टैलेंट - एक जैसी हैं. मेरा मानना है कि स्पेन और अर्जेंटीना दोनों का गेम प्लान ऐसा होगा जिसमें टैलेंट और अच्छा फ़ुटबॉल ही सबसे अहम होगा.' फ़ाइनल तक पहुँचने का दोनों टीमों का सफ़र काफ़ी अलग रहा है. जहाँ स्पेन ने ज़्यादातर समय बॉल पर कब्ज़े वाले खेल और मज़बूत डिफ़ेंस से विरोधियों पर काबू पाया है, वहीं अर्जेंटीना ने अपने चारों नॉकआउट मैच जीतने के लिए देर से किए गए गोलों का सहारा लिया है. डे ला फ़ुएंटे ने कहा कि लियोनेल स्कालोनी की टीम के लिए कोई भी बढ़त हासिल करना नामुमकिन नहीं है. उन्होंने कहा, 'वे स्कोरबोर्ड पर पीछे रहे हैं और वापसी करने में कामयाब रहे हैं. लेकिन हमारी नेशनल टीम के इतिहास में भी ऐसी स्थितियां रही हैं.

08 बैलन डी'और पुरस्कार मेसी के नाम

16 साल बाद फाइनल खेलेगा स्पेन

19 गोल अर्जेंटीना ने टूर्नामेंट में किए

03 विश्व कप फाइनल लियोनेल मेसी खेलने जा रहे

19 की उम्र में पहली बार विश्व कप फाइनल में लैमिन यमल

08 गोल मेसी ने और 4 असिस्ट के साथ 12 गोलों में योगदान दिया

रोहित के भविष्य को लेकर चल रही अटकलें खारिज

मुम्बई, 18 जुलाई भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने उन अटकलों को खारिज कर दिया है जिसमें कहा गया है कि लॉर्ड्स में इंग्लैंड के खिलाफ रविवार को होने वाला एकदिवसीय मैच रोहित शर्मा का आखिरी अंतरराष्ट्रीय मैच होगा.

क्रिकबज की रिपोर्ट के अनुसार बीसीसीआई के सचिव देवजीत सैकिया ने मीडिया को दिए एक बयान में कहा कि 'ऐसी कोई चर्चा' नहीं हुई है. उन्होंने कहा, 'रोहित शर्मा के भविष्य को लेकर मीडिया में कई तरह की अटकलें लगाई जा रही हैं. मैं स्पष्ट करना चाहता हूं कि ऐसी कोई चर्चा नहीं हुई है कि रोहित रविवार को लॉर्ड्स में अपना आखिरी मैच खेलेंगे.' उन्होंने अनुभवी सलामी बल्लेबाज भविष्य को लेकर लंबे समय से चल रही अटकलों की निंदा तो नहीं की, लेकिन यह स्पष्ट किया कि रोहित भारत की वनडे योजनाओं का हिस्सा बने रहेंगे.

अंडर 17 : नेहा ने 59 किग्रा वर्ग में जीता गोल्ड

▸ मानसी को मिला रजत

बुडापेस्ट, 18 जुलाई पूर्व अंडर 17 वर्ल्ड चैंपियन नेहा ने 'पोल्याक इमरे, वर्गा जानोस और कोज़्मा इस्तवान मेमोरियल सीनियर रैंकिंग टूर्नामेंट 2026' के तीसरे दिन महिलाओं के 59किग्रा वर्ग में शानदार प्रदर्शन करते हुए गोल्ड मेडल जीता.

सीनियर सर्किट में अपनी सफलता का सिलसिला जारी रखते हुए, नेहा ने दबाव के बावजूद बेहतरीन सूझबूझ दिखाई और चैंपियनशिप मुकाबले में अमेरिका की एबिगेल ई. नेट को हराया. एक मज़बूत अमेरिकी प्रतिद्वंद्वी के खिलाफ कड़े मुकाबले में धैर्य बनाए रखते हुए, भारतीय पहलवान ने नेट को पॉइंट्स के आधार पर 6-4 से हराया और पोडियम पर शीर्ष स्थान हासिल किया. इसके साथ ही उन्होंने टूर्नामेंट में भारत के लिए दूसरा गोल्ड मेडल जीता, जो ओलंपिक ब्रॉन्ज़ मेडलिस्ट अमन सहरावत की शुरुआती दिन की जीत के बराबर है. इसी वेट कैटेगरी के ब्रॉन्ज़ मेडल प्ले-ऑफ में, सविता ने शानदार और दबदबे वाला प्रदर्शन करते हुए कजाकिस्तान की इरीना कुज़्नेत्सोवा को 14-5 से हराया.

> महिलाओं की 62किग्रा कुश्ती कैटेगरी में भी भारत का मेडल जीतने का सिलसिला जारी रहा, जिसमें टीम ने सिल्वर और ब्रॉन्ज दोनों मेडल जीते. मानसी ने कनाडा की एना पी. गोदिनेज़ गोंजालेज के खिलाफ गोल्ड मेडल मैच में जगह बनाई, लेकिन दुर्भाग्यपूर्ण चोट के कारण उन्हें सिल्वर मेडल से ही संतोष करना पड़ा.

स्वदेशी खेलों को बढ़ावा देने पर मंथन

लखनऊ. केंद्रीय युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया के लखनऊ दौरे के दौरान वोवीनाम एसोसिएशन ऑफ इंडिया के राष्ट्रीय अध्यक्ष तथा उत्तर प्रदेश कलारीपयट्टू एसोसिएशन के प्रदेश महासचिव प्रवीण गर्ग ने उनसे भेंट कर स्वदेशी खेलों के विकास और मान्यता से जुड़े विभिन्न विषयों पर चर्चा की. इस अवसर पर केंद्रीय राज्य मंत्री रक्षा खडसे तथा उत्तर प्रदेश के खेल एवं युवा कल्याण मंत्री गिरीश चंद्र यादव भी उपस्थित रहे. इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में आयोजित युवा चिंतन शिविर के दौरान केंद्र सरकार की खेल नीति, खिलाड़ियों के विकास तथा आगामी खेल कार्यक्रमों एवं योजनाओं पर व्यापक विचार-विमर्श किया गया.

हर्ष भारतीय वनडे टीम में शामिल

लंदन, 18 जुलाई हर्ष दुबे को वॉशिंगटन सुदंर की जगह लॉर्ड्स में खेले जाने वाले इंग्लैंड और भारत के बीच तीसरे वनडे के लिए भारतीय टीम में शामिल किया गया है. वॉशिंगटन चोट के चलते सीरीज़ से बाहर हो चुके हैं.

वॉशिंगटन को दूसरे वनडे के दौरान बल्लेबाज़ी करते हुए रन लेने के दौरान चोट लग गई थी जिसके चलते वह दूसरी पारी में गेंदबाज़ी और फ़ील्डिंग के लिए मैदान पर नहीं आए थे. वॉशिंगटन ने पांच गेंदों का सामना करते हुए दो रन बनाए थे.

मैच के बाद भारत के बल्लेबाज़ी कोच सितांशु कोटक ने कहा, 'वॉशिंगटन को मिड ऑफ़ की तरफ़ पहला रन लेते समय चोट लगी थी. मुझे लगता है कि उनकी हैमस्ट्रिंग में गंभीर चोट है और अगली ही गेंद पर वह आउट हो गए.' अफ़ग़ानिस्तान के खिलाफ़ जून में घरेलू वनडे सीरीज़ के दौरान दुबे का अंतरराष्ट्रीय डेब्यू हुआ था. दुबे ने धर्मशाला वनडे में डेब्यू करते हुए तीन विकेट हासिल किए थे जबकि चेन्नई में खेले गए सीरीज़ के अंतिम वनडे में उन्होंने एक विकेट हासिल किया.

तीसरा एक दिवसीय ▸ लॉर्ड्स के मैदान में 22 साल के सूखे को खत्म करने उतरेगी टीम इंडिया

इंग्लैंड के खिलाफ सीरीज जीतने उतरेगा भारत

लंदन, 18 जुलाई भारतीय टीम रविवार को 'होम ऑफ क्रिकेट' (लॉर्ड्स) के मैदान पर होने वाले निर्णायक तीसरे अंतरराष्ट्रीय वनडे मैच को जीतकर 22 साल के सूखे को खत्म करने और इंग्लैंड के खिलाफ सीरीज विजय के इरादे से उतरेगी.

कार्डिफ में इंग्लैंड की जबरदस्त वापसी के बाद तीन मैचों की सीरीज 1-1 से बराबरी पर है. अब यह निर्णायक मुकाबला इतिहास, व्यक्तिगत प्रतिद्वंद्विता और बड़े दांव-पेच से भरा होने वाला है. पलटकर देखा जाये तो लॉर्ड्स ने भारत को कुछ सबसे यादगार पल दिये है जैसे 1983 में कपिल देव का वर्ल्ड कप उठाना हो या 2002 में नेटवेस्ट ट्रॉफी जीतने के बाद सौरव गांगुली का शर्ट लहराकर जश्न मनाना. फिर भी, उन यादों के बावजूद, भारत ने 2004 के बाद से इस मैदान पर कोई वनडे मैच नहीं जीता है. इस लिये रविवार को यहां होने वाले मुकाबले का महत्व और बढ़ जाता है. भारत को उम्मीद होगी कि उनके बड़े खिलाड़ी अहम मौक़े पर अच्छा प्रदर्शन करेंगे.

> कोहली की बात की जाये तो वह कार्डिफ में शानदार अर्धशतक के साथ अपनी लय में लौटते दिखे. अगर वह एक और बार 50 से अधिक रन बनाते हैं, तो वह इंग्लैंड के खिलाफ वनडे में सबसे अधिक बार 50 से ज़्यादा रन बनाने वाले भारतीय खिलाड़ी के तौर पर रोहित की बराबरी कर लेंगे और साथ ही इंग्लिश जमीन पर अपने शानदार रिकॉर्ड को और बेहतर बनाएंगे.

रोहित शर्मा के लिए यह सीरीज अब तक कुछ खास नहीं रही है, लेकिन दबाव वाली स्थितियों में शानदार पारियां खेलने के मामले में बहुत कम खिलाड़ियों की प्रतिष्ठा उनके जैसी है.

केली डुआला ने 100 मीटर स्पर्धा में जीता स्वर्ण

रिएटी (इटली). इटली की केली डुआला ने यूरोपियन एथलेटिक्स अंडर18 चैंपियनशिप की 100 मीटर स्पर्धा में शानदार प्रदर्शन करते हुए रिकॉर्ड 11.14 सेकंड समय के साथ स्वर्ण पदक जीता. रिएटी में शुक्रवार को हुए मुकाबले में अपने देशवासियों के सामने, डुआला ने तेजी से दौड़ते हुए सभी प्रतियोगियों को पीछे छोड़ दिया. डुआला ने प्रतियोगिता में नया रिकॉर्ड बनाया और वह 2001 में मैनुएला लेवोराटो के बाद 11.14 सेकंड का समय दर्ज करने वाली दूसरी इटैलियन महिला बन गई. डुआला ने पिछले सीजन के अपने ही अंडर 18 रिकॉर्ड को 0.07 सेकंड से बेहतर करते हुए अपना निजी सर्वश्रेष्ठ रिकॉर्ड बनाया.

ऑलराउंडर गैरी सोबर्स को दी श्रद्धांजलि

नयी दिल्ली, 18 जुलाई अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी), भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई), वेस्टइंडीज और दुनिया भर के क्रिकेटरों ने महान ऑलराउंडर सर गैरी सोबर्स का अपने-अपने अंदाज़ में उन्हें श्रद्धांजलि दी.

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने एक्स के जरिए सोबर्स निधन पर संवेदना व्यक्त की और उन्हें इतिहास के महानतम क्रिकेटरों और 'हॉल ऑफ फेमर' के रूप में याद किया. वहीं भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड(बीसीसीआई) ने उनके सम्मान में एक विशेष वीडियो साझा किया, जिसमें भारतीय सितारों (जैसे विराट कोहली और रोहित शर्मा) को सर गैरी के सामने एक फैन की तरह मिलते हुए देखा जा सकता है. वेस्टइंडीज के दिग्गज बल्लेबाज रहे ब्रायन लारा ने सोशल मीडिया मंच इंस्ट्राग्राम पर गैरी सोबर्स की तस्वीर साझा करते हुए लिखा, 'हमारे सबसे महान खिलाड़ी अब हमारे बीच नहीं रहे. उनके परिवार के उन सभी सदस्यों के प्रति मेरी गहरी संवेदनाएं, जो हर मुश्किल घड़ी में उनके साथ खड़े रहे और उन्हें ज़रूरत के समय ज़रूरी हिम्मत दी. ईश्वर उन्हें इस बेहद कठिन समय में हिम्मत और शांति प्रदान करे. क्रिकेट के भगवान कहे जाने वाले सचिन तेंदुलकर ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर गैरी सोबर्स की तस्वीर साझा करते हुए कहा, ' यह यकीन करना बहुत मुश्किल है कि सर गैरी अब हमारे बीच नहीं रहे.